भारत - पेरू संबंध

राजनीतिक संबंध

भारत ने मार्च, 1963 में पेरू के साथ राजनयिक संबंध स्थापित किए। भारत - पेरू संबंध परंपरागत रूप से मधुर एवं मैत्रीपूर्ण रहे हैं। 1990 के दशक से, संबंध के आर्थिक एवं कारोबारी पहलुओं में वृद्धि हुई है। अपेक की सदस्यता की वजह से एशियाई क्षेत्र में पेरू की अधिक रूचि तथा प्रौद्योगिकी की दृष्टि से एक उन्नत लोकतांत्रिक विकासशील देश के रूप में भारत की छवि और हाल के वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार में वृद्धि की वजह से पेरू के लिए भारत के महत्व में वृद्धि हुई है। पेरू गुटनिरपेक्ष आंदोलन तथा जी-77 का सदस्य भी है। बहुपक्षीय मामलों पर भारत और पेरू आपस में निकटता से सहयोग करते हैं।

भारत की ओर से हाल की पेरू की वी आई पी / वी वी आई पी यात्राएं : राष्ट्रपति श्री के आर नारायणन ने 1998 में; विदेश मंत्री श्री यशवंत सिन्हा ने 2003 मे; रक्षा राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने 2006 में; विदेश राज्य मंत्री डा. शशि थरूर ने 2010 मे; आवास, शहरी गरीबी उन्मूलन एवं पर्यटन मंत्री कुमारी शैलजा ने 2010 में; वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने 2010 में पेरू की यात्रा की। उप राष्ट्रपति श्री हामिद अंसारी ने 2013 में; रेज राज्य मंत्री श्री अधीर रंजन चौधरी ने 2014 में; पर्यावरण, वन तथा जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री श्री प्रकाश जावेडकर ने सी ओ पी 20 के लिए दिसंबर 2014 में पेरू की यात्रा की; लघु एवं सूक्ष्म उद्योग एवं पर्यटन मंत्री श्री आर वी देशपांडे रोड शो इंवेस्ट कर्नाटक के लिए अगस्त 2015 में पेरू की यात्रा की; वित्त, कॉरपोरेट कार्य तथा सूचना एवं प्रसारण मंत्री ने अक्टूबर 2015 में विश्व बैंक / आई एफ एम वार्षिक बैठक एवं जी 24 एवं राष्ट्रमंडल वित्त मंत्री बैठक में भाग लिया

पेरू की ओर से भारत की हाल की वी आई पी / वी वी आई पी यात्राएं : राष्ट्रपति एलन ग्रासिया ने 1987 में गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भारत की यात्रा की; राष्ट्रपति अल्बर्टो फजिमोरी ने 1997 में; विदेश एवं पर्यटन मंत्री श्री अल्फ्रेडो फेरेरो ने 2006 में; रक्षा उप मंत्री श्री राफेल आइटा कंपोडोनिको ने एयरो इंडिया 2009 में भाग लेने के लिए 2009 में; व्यापार एवं पर्यटन मंत्री श्री एडुआर्डो फेरीरोज ने 2011 में; पर्यावरण उप मंत्री श्री ह्यूगो कैबीसे ने 2011 में; उप विदेश मंत्री राजदूत जोश बेरॉन अर्निबार ने 2012 में; विदेश व्यापार उप मंत्री श्री एडगर वासक्वेज ने अगस्त, 2014 में भारत की यात्रा की।

संसदीय संपर्क : जनवरी, 2003 में, पेरू कांग्रेस से दो वाइस स्पीकर ने भारतीय संसद की 50वीं वर्षगांठ समारोह में भाग लेने के लिए भारत का दौरा किया। 30 अप्रैल, 2003 को पेरू कांग्रेस ने पेरू - भारत संसदीय मैत्री लीग को फिर से सक्रिय किया। वर्तमान कांग्रेस में, 13 अगस्त, 2011 को 17 सदस्यीय पेरू - भारत संसदीय मैत्री लीग का उद्घाटन किया गया। दिसंबर, 2007 में, भारतीय संसद ने भारत - पेरू संसदीय मैत्री समूह का गठन किया गया। अप्रैल, 2013 में, पहली बार कांग्रेस वुमन तथा पेरू - भारत संसदीय मैत्री लीग की अध्यक्ष सुश्री लॉर्डेस अल्कोर्टा सुएरो के नेतृत्व में पेरू के एक आठ सदस्यीय संसदीय शिष्टमंडल ने भारत का आधिकारिक दौरा किया। उप राष्ट्रपति श्री हामिद अंसारी के नेतृत्व में भारत के चार संसद सदस्यों ने अक्टूबर, 2013 में पेरू का आधिकारिक दौरा किया।

करार : पिछले वर्षों के दौरान दोनों पक्षों द्वारा अनेक द्विपक्षीय करारों पर हस्ताक्षर किए गए हैं जिसके तहत सहयोग के व्यापक क्षेत्र शामिल हैं। हाल के कुछ प्रमुख करारों में रक्षा सहयोग करार, एक संयुक्त आयोग की स्थापना के लिए करार, शैक्षिक विनिमय कार्यक्रम तथा भू-विज्ञान एवं खनिज संसाधन के क्षेत्र में सहयोग के लिए एम ओ यू शामिल हैं। अनेक अन्य करारों जैसे कि द्विपक्षीय निवेश संरक्षण एवं संवर्धन करार, सीमा शुल्क सहयोग करार, आपराधिक मामलों में परस्पर कानूनी सहायता के लिए करार, हवाई सेवा करार, करों के संग्रहण के संबंध में सहायता तथा सूचना के आदान - प्रदान के लिए करार, सामाजिक सुरक्षा तथा स्वास्थ्य में सहयोग पर एम ओ यू पर बातचीत चल रही है। दोनों पक्षों ने नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में सहयोग पर एम ओ यू को अंतिम रूप दे दिया है तथा यह हस्ताक्षर के लिए तैयार है। भारत और पेरू के बीच द्विपक्षीय व्यापार की संपूरकताओं के आलोक में दोनों पक्ष एक मुक्त व्यापार करार के लिए वार्ता शुरू करने के लिए सहमत हुए हैं दोनों पक्षों के संयुक्त अध्ययन समूहों की बैठक पहले ही हो चुकी है तथा मुक्त व्यापार करार की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए और चर्चा का आयोजन किया गया।

संस्थागत तंत्र सात साल के अंतराल के बाद 13 जुलाई, 2012 को नई दिल्ली में चौथे भारत - पेरू विदेश कार्यालय परामर्श का आयोजन किया गया। दोनों देशों के विदेश मंत्रियों की सह अध्यक्षता में हाल ही में गठित अंतर सरकार संयुक्त आयोग की पहली बैठक 2016 में आयोजित करने की योजना बनाई गई है।

पेरू को सहायता : भारत सरकार की सहायता से लीमा में स्थापित सूचना प्रौद्योगिकी में भारत - पेरू उत्कृष्टता केंद्र ने मार्च 2015 से शैक्षिक पाठ्यक्रम शुरू कर दिया है। भारत अपने आई टी ई सी कार्यक्रम के तहत पेरू को नियमित रूप से प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों की पेशकश करता है जो पेरू में लोकप्रिय होते जा रहे हैं। 2015-16 के दौरान, पेरू को आई टी ई सी के 30 स्लॉट आबंटित किए गए हैं जिनको बाद में अच्छे उपयोग को देखते हुए बढ़ाकर 50 किया गया। पेरू के राजनयिक विदेश सेवा संस्थान में पी सी एफ डी पाठ्यक्रमों में भी भाग ले रहे हैं। पहली बार पेरू ने वर्ष 2013 में नई दिल्ली में 53वें एन डी सी कार्यक्रम में भाग लेने के लिए नौसेना अधिकारी को भेजा।

15 अगस्त, 2007 को पेरू में आए भंयकर भूकंप के आलोक में भारत ने पेरू सरकार आपदा राहत सहायता के रूप में 500,000 अमरीकी डालर की राशि प्रदान की।

वाणिज्यिक संबंध :

भारत और पेरू के बीच व्यापार बढ़ रहा है तथा पिछले चार वर्षों के लिए यह 1 बिलियन अमरीकी डालर के आंकड़े को पार कर गया है। 2014-15 के दौरान, कुल व्यापार 1.41 बिलियन अमरीकी डालर था।

भारत - पेरू व्यापार (मिलियन अमरीकी डालर में)

	2012 -13	2013 -14	वृद्धि	2014 -15	वृद्धि	2015 -16

						अप्रैल से अक्टूबर 2016
भारत का निर्यात	637.927	620.569	-2.72 प्रतिशत	819.858	32.11 प्रतिशत	425.069
भारत का आयात	561.32	524.213	-6.61 प्रतिशत	590.395	12.63 प्रतिशत	374.456
कुल व्यापार	1.19 बिलियन	1.14 बिलियन	-4.54 प्रतिशत	1.41 बिलियन	23.19 प्रतिशत	799.525

स्रोत : डी जी सी आई एंड एस, वाणिज्य विभाग, भारत सरकार

तथापि, पेरू के सीमा शुल्क विभाग के आंकड़ों के अनुसार, कलेंडर वर्ष 2013 (जनवरी 5 दिसंबर) के दौरान भारत और पेरू के बीच व्यापार 1.271 बिलियन अमरीकी डालर था - भारत की ओर से पेरू को निर्यात का मूल्य 679.053 मिलियन अमरीकी डालर तथा भारत द्वारा पेरू से आयात का मूल्य 592.653 मिलियन अमरीकी डालर था। 2014 में इसी अवधि के दौरान, पेरू के सीमा शुल्क विभाग के आंकड़ों के अनुसार कुल व्यापार 1.108 बिलियन अमरीकी डालर था - भारत की ओर से पेरू को निर्यात का कुल मूल्य 787.956 मिलियन अमरीकी डालर (16.03 प्रतिशत की वृद्धि) था, जबकि भारत द्वारा पेरू से आयात का मूल्य 320.796 मिलियन अमरीकी डालर था (जो 2013 की इसी अवधि की तुलना में 45.87 प्रतिशत कम है)। 2015 के पहले 8 महीनों (जनवरी से अगस्त) के दौरान कुल व्यापार का मूल्य 893.277 मिलियन अमरीकी डालर (भारतीय निर्यात का मूल्य 627.757 मिलियन अमरीकी डालर और पेरू से भारत द्वारा आयात का मूल्य 265.52 मिलियन अमरीकी डालर) है।

भारत द्वारा पेरू को जिन वस्तुओं का निर्यात किया जाता है उनमें मुख्य रूप से तेल एवं गैस उद्योग के लिए पाइप, आटोमोबाइल, मोटरसाइकिल एवं थ्री-व्हीलर, लोहा एवं इस्पात के उत्पाद, पोलिस्टर एवं कॉटन यार्न, भेषज पदार्थ, आदि शामिल हैं। भारत द्वारा पेरू से जिन वस्तुओं का आयात किया जाता है उनमें मुख्य रूप से कॉपर, खनिज, गोल्ड, कैल्शियम फास्फेट, जिंक तथा लीड मिनरल, मिश फ्लोर, सिंथेटिक केबल, ताजे अंगूर आदि शामिल हैं।

निवेश : इस समय पांच भारतीय कंपनियों ने पेरू में खनन क्षेत्र में निवेश किया है। अनुमान है कि उनके वर्तमान निवेश का कुल मूल्य 30 मिलियन अमरीकी डालर के आसपास है। यह हर साल लगातार बढ़ता रहेगा क्योंकि खदानें हर साल अधिक उन्नत स्तर पर पहुंचेंगी। खनन क्षेत्र की अनेक अन्य कंपनियां खनन परिसंपत्तियों के अधिग्रहण को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में हैं। इसके अलावा, उत्तरी पेरू में फास्फेट के खनन के एक बड़े प्रचालन में इफ्को की भारी पूंजी लगी हुई है। इसी तरह, मित्सुबिशी के साथ मिलकर जुआरी एग्रो ने इसी इलाके में एक विशाल प्रस्तर फास्फेट भंडार में 30 प्रतिशत शेयर प्राप्त किया है। इस परियोजना के विकास में जुआरी एग्रो का निवेश शेयर 36 मिलियन अमरीकी डालर के आसपास होगा। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज का लीमा में लंबा चौड़ा कारोबार है तथा यह पेरू में अपनी उपस्थिति बढ़ा रहा है। रिलायंस ने एक

तेल ब्लॉक का अधिग्रहण किया है। भारत की सभी प्रमुख फार्मास्यूटिकल कंपनियों के प्रतिनिधि कार्यलय हैं या यहां पर उनकी स्थानीय सहायक कंपनियां हैं।

एजेई पेरू ने महाराष्ट्र में ए जे ई इंडिया प्राइवेट लि. नाम से एक सहायक कंपनी खोली है जो साफ्ट बिवरेज बनाती है। प्रचालन दिसंबर, 2010 में शुरू हुआ। उन्होंने अब तक 15 मिलियन अमरीकी डालर का निवेश किया है तथा भविष्य में इसे बढ़ाने की योजना बना रहे हैं। पेरू की एक प्रमुख कंपनी - रेसेमन एस ए सी, जो खनन मशीनरी के क्षेत्र में विशेषज्ञ कंपनी है, ने रिलायंट ड्रिलिंग लि. के नाम से नई दिल्ली में एक सहायक कपंनी खोली है तथा यह हिंदुस्तान जिंक लि. से एक बड़ी संविदा मिलने के बाद किया गया है।

सांस्कृतिक संबंध :

एक सांस्कृतिक करार पर हस्ताक्षर 1987 में किया गया। अप्रैल, 2012 में आई सी सी आर ने मशहूर ओडिसी नर्तक मसाको ओनो की पेरू यात्रा को प्रायोजित किया। 25 मार्च, 2013 को भारत और पेरू के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना की 50वीं वर्षगांठ मनाई गई। इस समारोह के दौरान, ताजमहल एवं माचू पिच्छू को दर्शाने वाला एक विशेष डाक टिकट जारी किया गया। राजनयिक संबंधों की स्थापना के 50 वर्षों को शामिल करते हुए दस्तावेजों एंव फोटोग्राफों की एक प्रदर्शनी भी इस अवसर पर खोली गई। 21 जून को राजनयिक संबंधों की स्थापना की 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित समारोहों के अंग के रूप में पेरू कांग्रेस के विज्ञान, नवाचार एवं प्रौद्योगिकी आयोग द्वारा भारत में वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकीय विकास पर एक सम्मेलन का आयोजन किया गया। 26 अक्टूबर, 2013 को उप राष्ट्रपति द्वारा भारत के एक मिनी फेस्टिवल का उद्घाटन किया गया। इस महोत्सव में संगीत नाटक अकादमी द्वारा नृत्य रूप डांस प्रस्तुत किया गया तथा फिल्म महोत्सव निदेशालय तथा साहित्य अकादमी द्वारा क्रमश: एक फिल्म महोत्सव और एक साहित्यिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। नवंबर, 2014 में पहले हाई लैंड म्यूजिक फेस्टिवल में लीमा में आई सी सी आर द्वारा प्रायोजित एक पांच सदस्यीय रबाब इंस्ट्रूमेंटल ग्रुप ने भाग लिया। मिशन ने 21 जून 2105 को पेरू में पहला अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाने के लिए लीमा में 6 योग शिविरों का आयोजन किया। सुश्री टी रेड्डी लक्ष्मी के नेतृत्व में एक 6 सदस्यीय कुचिपुडी नृत्य मंडली, जिसे आई सी सी आर ने प्रायोजित किया था, ने अपनी कला का प्रदर्शन किया तथा 13 से 18 अक्टूबर 2105 तक लीमा में कार्यशाला सह व्याख्यान का आयोजन किया।

भारतीय समुदाय

पेरू में भारतीय समुदाय की संख्या बहुत ही कम है तथा यह 500 के आसपास है, जो मुख्य रूप से कारोबार एवं व्यापार में लगे हैं। अधिक भारतीय कंपनियों के पेरू में कदम रखने की वजह से अधिक भारतीय पेशेवर पेरू आ रहे हैं। इसके अलावा, कुछ भारतीय नागरिक लीमा, चिंबोटे और पुनो में चैरिटी मिशनों तथा अन्य ईसाई संगठनों के साथ हैं।

उपयोगी संसाधन :
भारतीय दूतावास, लीमा की वेबसाइट :

www.indembassy.org.pe
भारतीय दूतावास, **लीमा का फेसबुक पेज** :
https://www.facebook.com/indembassy.peru

***

जनवरी*, 2016*